पाठ 27

भारत में परिवहन के साधन

आइए सीखें

- भारत में परिवहन के साधन कौन-कौन से हैं?
- भारत में परिवहन के साधनों का क्या महत्व है?
- भारत के प्रमुख स्थलमार्ग, जलमार्ग व वायुमार्ग कौन-कौन से हैं?
- भारत के पड़ोसी देशों को जोड़ने वाले मार्ग कौन से हैं?

हम एक स्थान से दूसरे स्थान तक आने-जाने के लिए तथा वस्तुओं को एक स्थान से दूसरे स्थान लाने-ले जाने के लिए अनेक साधनों का उपयोग करते हैं, जैसे: सायकल, बैलगाड़ी, मोटर, बस, रेलगाड़ी आदि। प्राचीनकाल में लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पैदल ही जाया करते थे तथा सामान लाने-ले जाने के लिए पशुओं का उपयोग करते थे। पहिये के आविष्कार के साथ ही अनेक साधनों का विकास होता गया। वर्तमान में एक स्थान से दूसरे स्थान तक शीघ्र पहुंचने के लिए हवाई जहाज जैसे तीव्र साधन का उपयोग होने लगा है।

एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने के लिए उपयोगी सभी साधन परिवहन के साधन कहलाते हैं।

परिवहन के साधनों का महत्व-

वायु, जल, वनस्पति तथा बहुमूल्य खनिजों की तरह ही परिवहन के विभिन्न साधन भी एक महत्वपूर्ण संसाधन है। किसी भी देश की आर्थिक प्रगति वहाँ सुलभ परिवहन के साधनों पर निर्भर करता है। दूर-दूर स्थानों को आपस में जोड़ने, सामाजिक समरसता व सद्भाव तथा देश की सुरक्षा में परिवहन के साधनों का महत्वपूर्ण योगदान होता है।

परिवहन के प्रमुख मार्ग -

परिवहन के विभिन्न साधन विभिन्न मार्गों पर चलते हैं, जैसे- सायकल, बैलगाड़ी, मोटर-कार, बस आदि सड़क मार्ग पर, रेलगाड़ी रेलमार्ग पर, हवाई जहाज, वायुमार्ग पर तथा नाव, जलयान, जलमार्ग पर। आइए, भारत के प्रमुख स्थल मार्ग, जलमार्ग तथा वायुमार्ग के बारे में जानें –

स्थल मार्ग- सड़कें तथा रेलमार्ग स्थल मार्ग के अंतर्गत आते हैं। सम्पूर्ण भारत में सड़कों का जाल बिछा है। भारत के लगभग सभी छोटे-बड़े कस्बे व शहर कच्ची-पक्की सड़कों से जूड़े हैं। भारत की सड़कों को मुख्य रूप से तीन वर्गों में रखा जा सकता है:-

1. राष्ट्रीय राजमार्ग
2. प्रान्तीय राजमार्ग
3. जिला एवं ग्रामीण सड़कें

राष्ट्रीय राजमार्ग विभिन्न प्रदेशों की राजधानियों, देश के बड़े औद्योगिक व व्यापारिक नगरों, प्रमुख

बन्दरगाहों को आपस में जोड़ने वाली पक्की सड़कें होती हैं। इन मार्गों का निर्माण व रख रखाव केंद्र सरकार के अधीन केंद्रीय लोक निर्माण करती हैं।

राष्ट्रीय राजमार्गों को उनके क्रमांक 1, 2, 3.... आदि के नाम से जाना जाता है। उदाहरण के लिए आगरा और मुम्बई शहर को जोड़ने वाली सड़क को 'राष्ट्रीय राजमार्ग क्र.-3' के नाम से जाना जाता है। आइये जाने भारत के कुछ प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग को-

(1) **राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-1 :-** यह मार्ग अमृतसर-अंबाला-जालंधर होते हुए दिल्ली को जोड़ती है।

(2) **राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-2 :-** यह मार्ग दिल्ली-मथुरा-आगरा-कानपुर-इलाहाबाद-वाराणसी-कोलकाता शहरों को जोड़ती हैं।

(3) **राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-12 :-** यह मार्ग मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल जबलपुर को राजस्थान के जयपुर शहर से जोड़ती है। इस मार्ग में पड़ने वाले प्रमुख शहर है— भोपाल, झालवार, कोटा तथा टोंक।

उपरोक्त सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को मानचित्र में ध्यान से अवलोकन कीजिए। नीचे तालिका में कुछ राष्ट्रीय राजमार्गों के नाम (क्रमांक) उनके मार्ग में पड़ने वाले शहरों के नाम के साथ दिए है। इन्हें ध्यान से पढ़िये और मानचित्र में उन शहरों को आपस में पेंसिल से मिलाएँ :

तालिका : राष्ट्रीय राजमार्ग

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक	कहां से कहां तक	मार्ग में आने वाले प्रमुख शहर
4	थाणे-चेन्नई	थाणे-पुणे-बेलगाँव-चेन्नई
5.	बहरागोडा-चेन्नई	बहरागोडा-कटक-भुवनेश्वर विशाखापतनम-विजयवाड़ा-चेन्नई
6.	धुले-कोलकाता	धुले-अकोला-नागपुर-रायपुर-सम्बलपुर-बहरागोडा-सम्बलपुर
7.	वाराणसी-कुमारी अन्तरीप	वाराणसी-मँगावन-रीवाँ-जबलपुर-नागपुर-हैदराबाद-कर्नूल-बंगलौर-कृष्णागिरि-सलेम-मदुराई-कुमारी अन्तरीप

उपरोक्त राष्ट्रीय राजमार्गों की तरह सम्पूर्ण भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों का जाल बिछा हुआ है।

प्रांतीय राजमार्ग- ये राज्य की प्रमुख सड़कें होती हैं। राज्य के व्यापार के विकास में इनका महत्वपूर्ण योगदान होता है। ये सड़कें पड़ोसी राज्य की प्रमुख सड़कों से जुड़ी होती हैं। इनका निर्माण एवं रख-रखाव की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है।

जिले के विभिन्न भागों को जोड़ने वाली सड़कों का भी विशेष महत्व होता है। ये सड़कें जिले के विभिन्न कस्बों उत्पादक केंद्रों, मंडियों व गाँवों को आपस में जोड़ती हैं।

रेलमार्ग : स्थल मार्ग के अंतर्गत रेलमार्गों का विशेष महत्व है क्योंकि स्थलमार्ग पर चलने वाले सभी साधनों की तुलना में रेल सस्ता तथा तीव्रगति से चलने वाला साधन है। भारत में सर्वप्रथम रेलगाड़ी सन् 1853 में थाणे और मुम्बई के बीच (34 कि.मी.) चली थी। वर्तमान में सड़क मार्गों की तरह देश के सभी प्रमुख शहर रेलमार्गों से जुड़े हैं। जम्मू से कन्याकुमारी तक बिछी रेल लाइन देश की सबसे लंबी दूरी का रेल मार्ग है। इस मार्ग पर हिमसागर एक्सप्रेस चलती है। रेलों का ठीक-ठीक संचालन हो, इसके लिए देश के समस्त रेलमार्गों को 9 क्षेत्रों (जोन) में बाँटा गया है। ये क्षेत्र हैं:-

1. पूर्वी रेल्वे
2. उत्तरी रेल्वे
3. दक्षिण रेल्वे
4. पश्चिम रेल्वे
5. मध्य रेल्वे
6. उत्तर-पूर्वी सीमान्त रेल्वे
7. दक्षिण मध्य रेल्वे
8. दक्षिण पूर्वी रेल्वे
9. उत्तर-पूर्वी रेल्वे।

भारत के प्रमुख रेलमार्ग-

(1) **मुम्बई-दिल्ली रेलमार्ग-** मुम्बई से दिल्ली के मध्य मुख्य रूप से दो रेलमार्ग है। पहला- मध्य रेल मार्ग जो नासिक, भुसावल, इटारसी, झाँसी, आगरा, मथुरा होता हुआ दिल्ली को जोड़ता है और दूसरा- पश्चिम रेलमार्ग जो सूरत, बड़ोदरा, रतलाम, मथुरा होता हुआ दिल्ली पहुँचता है।

(2) **मुम्बई-कोलकाता रेलमार्ग-** मुम्बई से कोलकाता जाने के लिए दो मार्ग हैं। एक मुम्बई-मनमाड़-भुसावल-वर्धा-नागपुर- रायपुर-टाटानगर होते हुए कोलकाता तथा दूसरा मुम्बई-भुसावल-इटारसी-जबलपुर-इलाहाबाद-रानीगंज होते हुए कोलकाता।

(3) **मुम्बई-चेन्नई रेलमार्ग-** इस मार्ग में पुणे, सोलापुर, रायपुर तथा गुंटकल स्टेशन आते हैं।

(4) **चेन्नई-दिल्ली रेलमार्ग-** इस रेलमार्ग पर विजयवाड़ा, काजीपेठ, वर्धा, नागपुर, इटारसी, झाँसी आदि महत्वपूर्ण स्टेशन आते हैं।

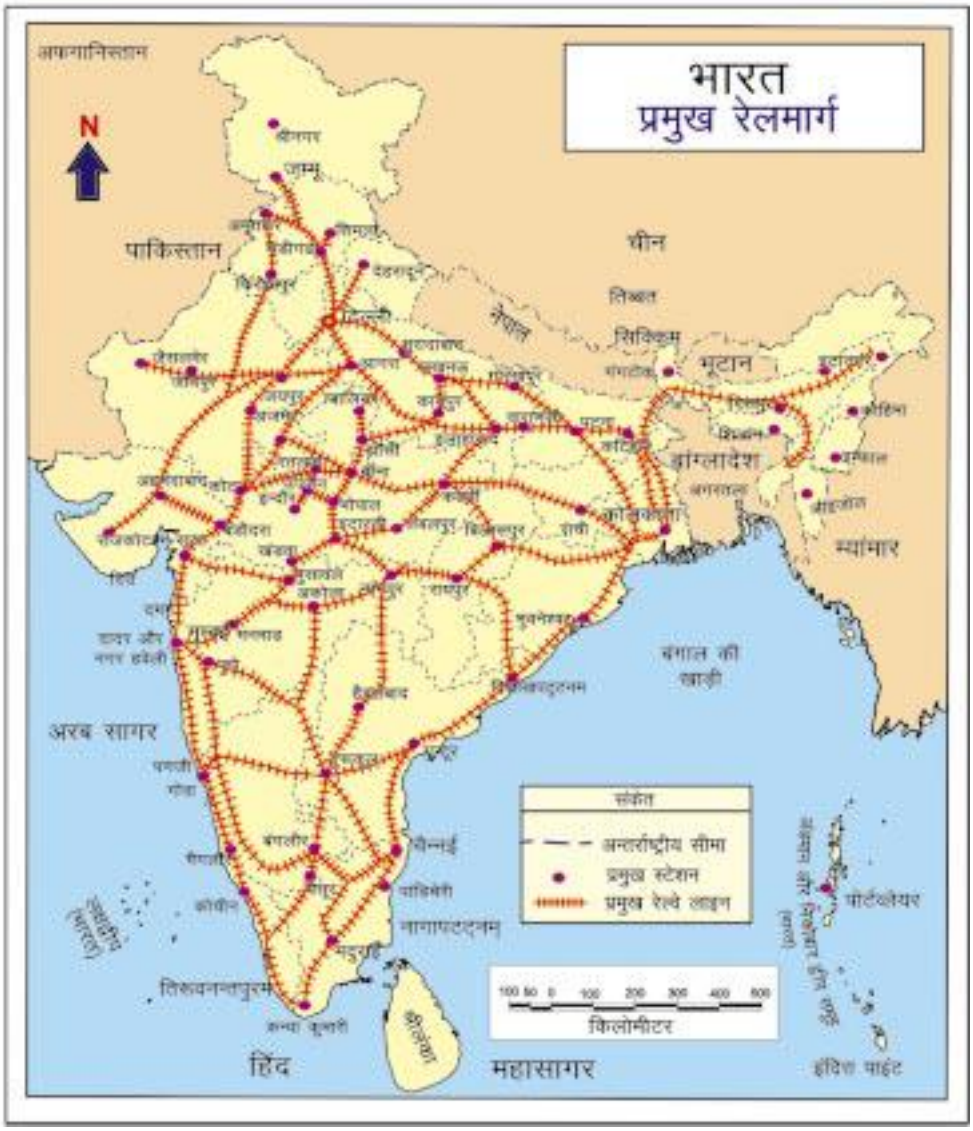

जलमार्ग- भारत में जल यातायात में दो प्रकार के मार्ग हैं-

1. आन्तरिक जलमार्ग 2. समुद्री जलमार्ग

आन्तरिक जलमार्ग- भारत की कुछ नदियाँ जैसे- गंगा, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा आदि कुछ नदियाँ हैं जहां बड़ी-बड़ी नावों द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचा जाता है। यद्यपि रेलों और सड़कों के विकास हो जाने के कारण नदियों का उपयोग जलमार्गों के रूप में कम ही होता है।

दक्षिण भारत की नदियाँ पठारी प्रदेश के ऊँचे नीचे स्थानों से होकर बहती है, इस कारण ये जल यातायात के लिए उपयुक्त नहीं हैं।

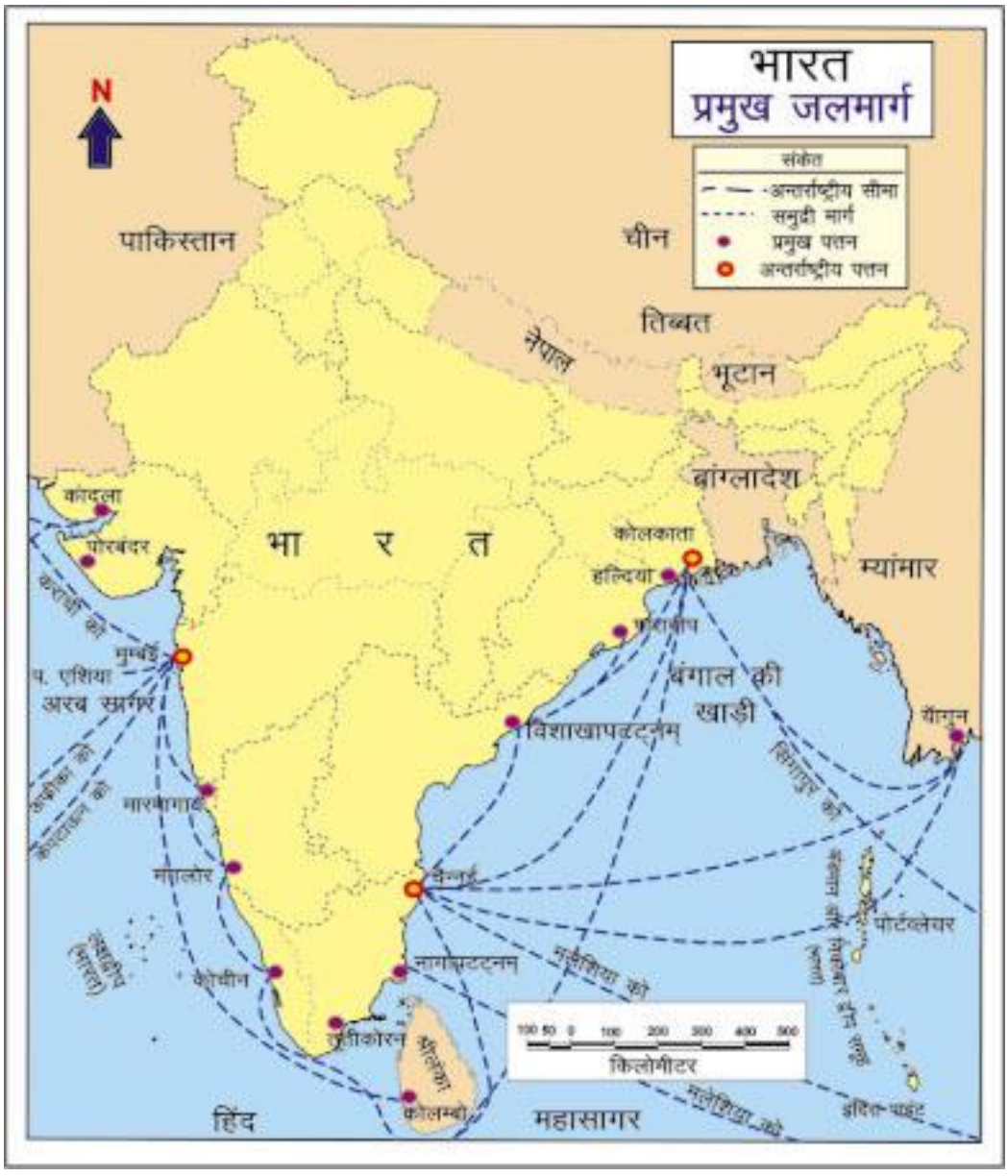

समुद्री जल मार्ग : भारत तीन ओर से समुद्र से घिरा है। देश के समुद्रतट की लंबाई लगभग 5600 किलोमीटर है, जहां 12 बड़े बन्दरगाह तथा अनेक छोटे-छोटे बन्दरगाह विकसित हुए हैं। इन बन्दरगाहों से समुद्री परिवहन विकसित हुआ है।

बन्दरगाह समुद्र तट पर बने ऐसे स्थान होते हैं जहां से बड़ी-बड़ी नौकाओं तथा जलयानों द्वारा माल और यात्रियों को लाने-ले जाने का कार्य किया जाता है।

जलमार्ग मानचित्र का ध्यान से अवलोकन करें। देश में कांडला, मुम्बई, गोवा, मंगलोर, कोचीन, चेन्नई, विशाखापतनम, पारादीप, कोलकाता बड़े बंदरगाह हैं। इन बन्दरगाहों से अनेक देशों को समुद्री यातायात होते हैं।

मानचित्र को ध्यान से देखकर नीचे दी गई तालिका को पूरा कीजिए :–

क्र.	बन्दरगाह का नाम	बन्दरगाह से बाहर जाने वाले मार्ग कौन से देशों को जाता है।
1.	मुंबई	----------
2.	कोलकाता	----------
3.	चेन्नई	----------
4.	पारादीप	----------
5.	विशाखापतनम	----------

बन्दरगाहों से समुद्री यातायात दूसरे देशों को होने के साथ-साथ देश के तट के सहारे-सहारे एक बन्दरगाह से दूसरे बन्दरगाह के बीच भी होते हैं, उदाहरण के लिए मुम्बई से गोवा, मंगलोर आदि स्थानों को भारत के पूर्वी तट के सहारे-सहारे किन-किन बन्दरगाहों के मध्य समुद्री यातायात होते हैं, मानचित्र देखकर लिखिए-

———————————————————————————————

———————————————————————————————

वायुमार्ग- स्थलमार्ग तथा जलमार्ग पर चलने वाले सभी साधनों की तुलना में वायुमार्ग पर चलने वाले साधन तीव्रगति से चलने वाले होते हैं। भारत जैसे विशाल देश में वायुमार्ग का आवागमन में बहुत महत्व है।

भारत के लगभग सभी राज्यों की राजधानी वायुमार्ग से जुड़े हैं। इसी प्रकार, भारत विश्व के सभी प्रमुख देशों से वायुमार्ग से जुड़ा है। देश के भीतर तथा देश से बाहर आने-जाने वाले वायुमार्ग की व्यवस्था दो

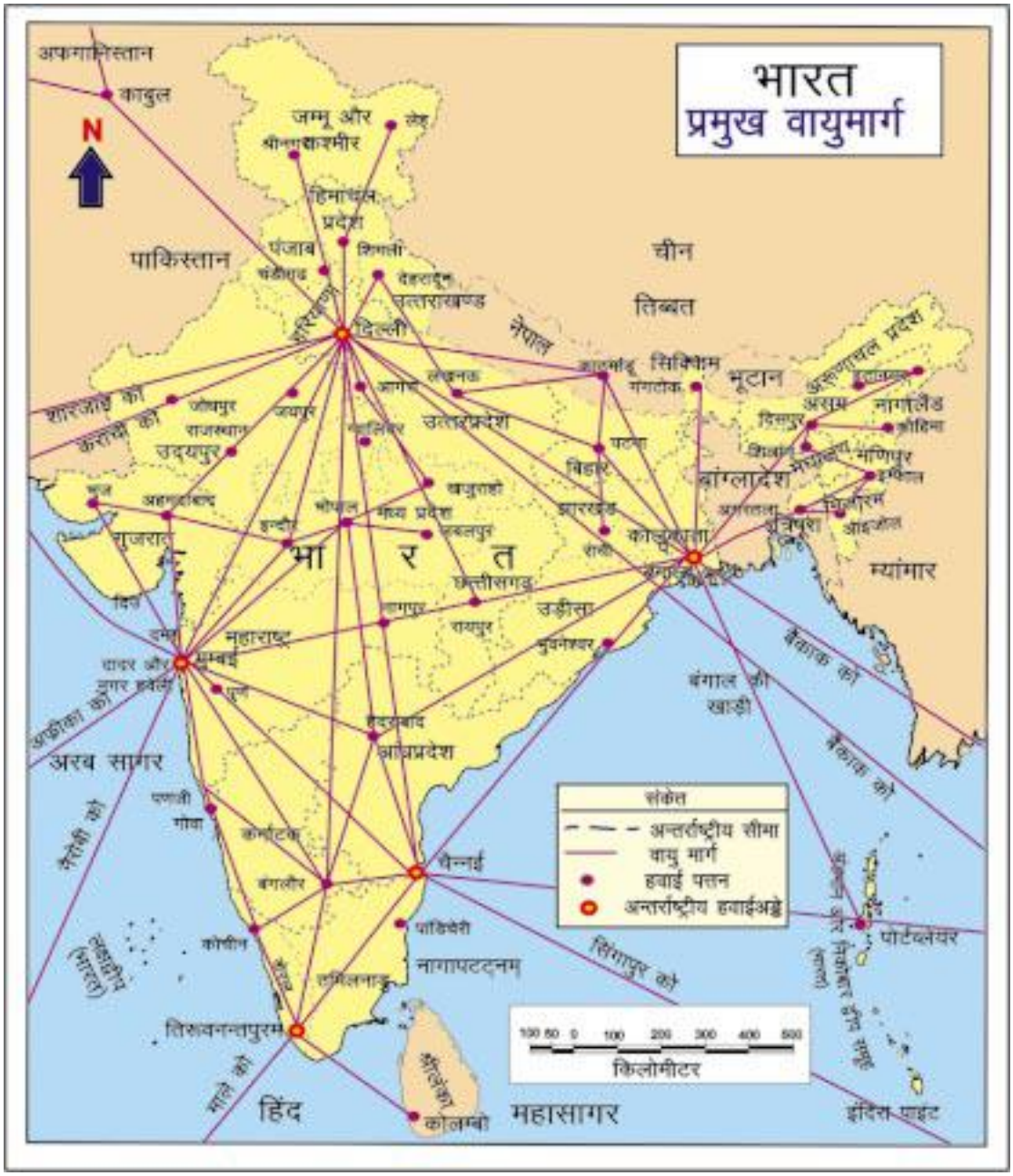

पृथक-पृथक संस्था करती है। ये संस्था हैं:-

(1) एअर इंडिया लिमिटेड- यह देश के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विमान सेवा उपलब्ध कराने वाली प्रमुख संस्था है। ये अमेरिका, कनाडा, यूरोप, मध्यपूर्व एशिया, सुदुर पूर्व और अफ्रीका के लिए सेवाएँ उपलब्ध कराती हैं। नई दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता तथा चेन्नई- ऐसे अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं जहां से अन्तर्राष्ट्रीय सेवाएं उपलब्ध होती हैं। इन हवाई अड्डों में अन्य देशों के विमान भी आते-जाते हैं।

(2) इंडियन एअर लाइन्स- ये संस्था घरेलू विमान सेवा उपलब्ध कराती हैं। मानचित्र को ध्यानपूर्वक देखकर बताइये कि देश के भीतर कौन-कौन से शहर वायुमार्ग से जुड़े हैं।

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

(अ) परिवहन के साधन किसे कहते हैं? कोई दो उदाहरण दीजिए।

(ब) भारत में परिवहन के प्रमुख मार्ग कौन-कौन से हैं, नाम लिखिए।

(स) राष्ट्रीय राजमार्ग और प्रान्तीय राजमार्ग में अन्तर बताइए।

(द) कौन सा राष्ट्रीय राजमार्ग जबलपुर और जयपुर शहर को जोड़ती है?

(य) भारत के रेलमार्गों को कितने क्षेत्रों में बांटा गया है? नाम लिखिए।

(र) मुम्बई और कोलकाता बन्दरगाह से कौन-कौन से देशों को जलयातायात होता है?

(ल) भारत के किन्हीं चार बन्दरगाहों के नाम लिखिए।

(व) दक्षिण भारत की नदियाँ आन्तरिक जलमार्ग के लिए अनुपयुक्त है, क्यों?

2. भारत के मानचित्र में निम्नांकित को दर्शाइये –

(अ) राष्ट्रीय राजमार्ग क्र. 3 एवं 6

(ब) मुम्बई-चेन्नई रेलमार्ग

(स) विशाखापट्टनम जलमार्ग

(द) पारादीप जलमार्ग

(य) दिल्ली-चेन्नई वायुमार्ग

(र) कोलकाता बन्दरगाह